भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहॉ 60 प्रतिशत से अधिक की आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। पिछले कुछ वर्षों में कृषि एवं बागवानी से उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जिससे देश के लिए आवश्यक खाद्य सुरक्षा को पूरा करने में मदद मिली है। भारत में, उच्च उत्पादकता को सीमित करने वाली प्रमुख बाधाएं कीट, खरपतवार एवं अन्य बीमारियां हैं, जो गहन कृषि से अनुकूलित होती है। जलवायु में परिवर्तन एक महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौती है, जिससे कीटों के जीवनचक्र व्यवहार में बहुत सारे परिवर्तन आते हैं। जीवनशैली में बढ़ती जागरूकता एवं जैविक खाद्य-पदार्थों की मांग में वृद्धि होने से पीड़क नियंत्रण रणनीतियां धीरे-धीरे अधिक सतत्, संतुलित पारिस्थितिक एवं आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्पों की ओर अग्रसर हो रही है। इसलिए, उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए कृषि क्षेत्र में अंशधारकों को अद्यतन वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान के बारे में

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (रावस्वाप्रसं), कृषि एवं सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन राष्ट्रीय स्तर का एक अग्रणी संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1966 में हैदराबाद में हुई। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से विविध क्षेत्रों एवं परिवर्तित कृषि जलवायु स्थितियों में पर्यावरणात्मक रूप से सतत् वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन, पादप जैवसुरक्षा प्रबंधन एवं पीड़कनाशी प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन, पादप जैवसुरक्षा, आक्रमक विदेशी प्रजातियां, विपणन अधिगमन संबंधी नीति निर्माण हेतु समर्थन देने के उद्देश्य से केन्द्रीय मंत्रीमंडल के अनुमोदन पर 24 अक्टूबर, 2008 में इसे स्वायत्त संस्थान के रूप परिवर्तित किया गया।

एनआईपीएचएम, हैदराबाद अपने परिसर में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रदान करता है, साथ ही भारत एवं अन्य देशों के लिए परिसर के बाहर (ऑफ कैंपस) भी कार्यक्रम उपलब्ध करवाता है। संस्थान के प्रमुख चार तकनीकी प्रभाग है :- क) वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन, ख) पादप जैवसुरक्षा, ग) पीड़कनाशी प्रबंधन एवं घ) सूचना एवं प्रसार प्रौद्योगिकी है। रावस्वाप्रसं में एनआईपीएचएम वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा कशेरूकी एवं शहरी पीड़क प्रबंधन भी में विशेषज्ञता प्रदान करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान भारत एवं पड़ोसी देशों में टिकाऊ वनस्पति स्वास्थ्य एवं जैव-सुरक्षा प्रबंधन को बढावा देने एवं सक्षम संवर्ग विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

क्रियाकलापों की संक्षिप्त रूपरेखा

वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा : 01 वर्षीय कार्यक्रम

यह कार्यक्रम वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन, यानि विज्ञान एवं इसके व्यवहारिक और अभ्यासिक पक्षों की समझ तथा जैविक एवं अजैविक कारक जो पौधों को फसल के रूप में पूर्ण रूप से आनुवांशिक क्षमता को प्राप्त करने में बाधक है, उन पर नियंत्रण पाने के लिए विशेषज्ञता विकसित करता है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में जैवसुरक्षा एवं पीड़कनाशी प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए कुशल प्रशिक्षण प्रदान

करता है। यह पाठ्यक्रम कृषि/बागवानी में स्नातक एवं जीव विज्ञान में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है।

वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन

अच्छा वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन विभिन्न जैविक एवं अजैविक दबाव जो पूर्ण रूप से आनुवांशिक क्षमता में विकसित होने में बाधक है, उन पर नियंत्रण पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीड़कनाशियों एवं ऊर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल करने की वजह से पर्यायवरण में प्रदूषण फैला है और कृषि-पारिस्थितिक-तंत्र को नुकसान पहुँचा है। मिट्टी एवं वनस्पति स्वास्थ्य में सुधार लाने एवं रासायनिक पीड़कनाशियों पर अत्याधिक निर्भरता में कमी लाने के उद्देश्य से पर्यायवरणीय सतत् वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए यह प्रबंधन प्रभाग वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए जैव-सघन पहलूओं, कृषि पारिस्थितिक विश्लेषण एवं जैव एजेंटों के कम लागत पर ऑन फार्म उत्पादन करने, पारिस्थितिक अभियांत्रिकी पर जोर देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग उन कृषि एवं बागवानी विस्तार अधिकारियों, केवीके, आईसीएआर एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालों के वैज्ञानिकों के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जो मदर कल्चर की आपूर्ति करके जैवएजेंटों, जैवपीड़कनाशियों एवं जैवउर्वरकों को अपनाने तथा किसानों को कम लागत के साथ उच्च गुणवत्ता वाले जैवपीड़कनाशियों एवं जैव-ऊर्वरकों से उत्पादन बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं।

पादप जैवसुरक्षा

जैवसुरक्षा प्रबंधन में पीड़क जोखिम विश्लेषण, पीड़क निगरानी एवं निदान के महत्व एवं वैश्वीकरण के संदर्भ में आक्रमक विदेशी प्रजातियों के खतरों को उजागर करने के अलावा, एसपीएस मानदंडों एवं संगत अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करना।

पीड़कनाशी प्रबंधन

फसल संरक्षण रसायन बढ़ते हुए खाद्य की मांग को पूरा करने हेतु उच्च खाद्य उत्पादन हासिल करने एवं खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीड़कनाशियों के जोखिम होने से आयातित, उत्पादित एवं बिक्री हेतु पीड़कनाशी के गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के साथ अच्छी कृषि पद्धतियों के अनुसार इसके उपयोग को भी अवश्य विनियमित किया जाना चाहिए। ताकि, पीड़कनाशी गुणवत्ता बनी रहे एवं खाद्य सुरक्षा के लिए पीड़कनाशी अवशेष निर्धारित सीमा तक रहे। प्रभाग ने पीड़कनाशी प्रबंधन में निरीक्षकों, नियामकों, विस्तार अधिकारियों, विश्लेषकों, वैज्ञानिकों एवं प्रयोगशाला प्रबंधकों को ज्ञान एवं कौशल प्रदान करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम विकसित किये हैं। प्रभाग के पास आधुनिक प्रशिक्षण एवं विश्लेषणात्मक सुविधाएं (आईएसओ/आईईसी 170025:2005 प्रत्यायित) उपलब्ध है, जो प्रशिक्षणार्थी को हस्तकार्य अनुभव प्रदान करता है। प्रभाग पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निरीक्षण एवं नमूना, विधि मान्यकरण सिद्धांत, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रलेखन, पीड़कनाशी सूत्रीकरणों के विश्लेषण एवं अवशेष विश्लेषण से संबंधित प्रशिक्षण देता है।

कशेरूकी एवं शहरी पीड़क प्रबंधन

प्रभाग एकीकृत कृंतक पीड़क प्रबंधन में गहन विश्लेषण प्रदान करता है, जो विविध कृषि पारिस्थितिक तंत्र में कृंतकों के पारिस्थितिकी एवं व्यवहार्य(आचार) सम्मिलित है। खतरनाक जुनोटिक रोग जैसे : प्लेग, लेप्टोस्पिरोसिस एवं स्क्रबटाइफास आदि की रोकथाम एवं शहरी क्षेत्रों में कशेररूकी पीड़क प्रबंधन की आवश्यकताओं को देखते हुए इस तरह के कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं।

वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी

यह प्रभाग पीड़कनाशी अनुप्रयोग हेतु उचित अभियांत्रिकी प्रणाली, उचित वितरण संबंधी तरीका, सुरक्षा एवं पीड़कनाशी के समुचित एवं कुशल इस्तेमाल पर ध्यान केन्द्रित करता है। छोटी-छोटी आकार वाली बूंदों एवं उनके प्रवाह को जैवप्रभाविकारिता को बढ़ाने सहयक होगी।

पीपीक्यू एवं एस निदेशालय हेतु पाठ्यक्रम

निदेशालय में नव नियुक्त एवं स्थानान्तरित कर्मियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा जैवसुरक्षा एवं वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

निजी/सार्वजनिक/गैर-सरकारी संगठनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

जैवनियंत्रण एजेंटों एवं जैवपीड़कनाशियों के लिए एईएसए आधारित वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन, पादपस्वच्छता उपचार (मिथाइल ब्रोमाइड/अल्युमिनियम फास्फाइड फ्यूमिगेशन), उत्पादन प्रोटोकॉल कार्यक्रम तथा पीड़कनाशी विश्लेषण के लिए शहरी आईपीएम, पीड़कनाशी सूत्रीकरण एवं अवशेष विश्लेषण, उपकरण आदि विषयों संबंधी कार्यक्रम भुगतान के आधार पर प्रदान किये जाते हैं।

कार्यक्रमों में प्रवेश

- विभिन्न राज्यों/संघ प्रदेशों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर, केवीके, गैर-सरकारी संगठनों एवं निजी क्षेत्रों के अधिकारियों को उपर्युक्त कार्यक्रम के लिए नामित किया जा सकता है एवं उनका नामांकन निर्धारित तिथि या इससे पहले रजिस्ट्रार या पाठ्यक्रम निदेशक तक पहुंच जाना चाहिए।
- राज्य एवं केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों के लिए कोई शुल्क नहीं है। भोजन एवं आवास की सुविधा संस्थान के होस्टल में नि:शुल्क होंगी। इसके अलावा, यात्रा खर्च उनकी पात्रता के अनुसार प्रदान किया जाएगा। अधिकतम एसी 2 टीयर ट्रेन के किराये तक प्रतिपूति उपलब्ध करायी जाएंगी।
- उद्योग/गैर-सरकारी संगठन एवं अन्य संस्थाएं भी भुगतान के आधार पर अपने अधिकारियों को प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रायोजित कर सकते हैं।
- बेरोजगार कृषि स्नातक छात्र भी भुगतान के आधार पर कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।

(प्रशिक्षण अनुसूची)

अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक

I. शिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि (माह में)	से	तक
1.	वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	12	अगस्त 2017	जुलाई 2018
2.	पादप जैवसुरक्षा, पीड़कनाशी प्रबंधन, वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन आदि में डिप्लोमा	06	August 2017 Feb 2018	Jan 2018 July 2018

II. सरकारी/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों/आईसीएआर के अधिकारियों हेतु परिसर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि (दिनों में)	से	तक
पादप जैवसुरक्षा				
1.	पीक्यू राष्ट्रीय विनियामक एवं प्रक्रिया	5	26.06.2017 09.10.2017	30.06.2017 13.10.2017
2.	जैवसुरक्षा और आक्रमण प्रबंधन (बीआईएम)	21	05.06.2017	26.06.2017
3.	वनस्पति जैवसुरक्षा की मौलिकताएं	5	05.06.2017	09.06.2017
4.	पीड़क जोखिम विश्लेषण	5	12.06.2017 06.11.2017	16.06.2017 10.11.2017
5.	आपातकालीन तैयारी और आक्रमण प्रबंधन	5	19.06.2017	23.06.2017
6.	संगरोध पीड़क : जांच एवं पहचान	21	04.04.2017	24.04.2017
7.	संगरोध कीट: जांच एवं पहचान	5	10.04.2017	14.04.2017
8.	संगरोध पैथोजेंस : बीज स्वास्थ्य परीक्षण विधि एवं अणु निदान तकनीक	5	17.04.2017	21.04.2017
9.	संग्रहित अनाज पीड़क जांच एवं पहचान तथा पादपस्वच्छता उपचार	21	04.09.2017 29.01.2018	25.09.2017 19.02.2018
10.	संग्रहित अनाज पीड़क जांच, पहचान एवं प्रबंधन	5	22.05.2017 04.09.2017 29.01.2018	26.05.2017 08.09.2017 02.02.2018
11.	पादपस्वच्छता उपचार (एमबीअर & एएलपी)	15	11.09.2017 05.02.2018	25.09.2017 19.02.2018
12.	पीईक्यू निरीक्षण अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	5	12.03.2018	16.03.2018
13.	आयात एवं निर्यात हेतु पीक्यूपी प्रक्रिया	5	26.06.2017 09.10.2017	30.06.2017 13.10.2017
14.	पीड़क निगरानी	5	24.04.2017 24.07.2017 20.11.2017	01.05.2017 28.07.2017 24.11.2017
15.	फोर्सड् हॉट एयर उपचार (एफएचएटी)	5	15.05.2017 07.08.2017 19.03.2018	19.05.2017 11.08.2017 23.03.2018
16.	पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र जारी करने वाले प्राधिकारियों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण	5	01.05.2017	05.05.2017
17.	क्षेत्रीय पादप स्वास्थ्य प्रणाली विश्लेषण पर	15	04.12.2017	18.12.2017

	प्रशिक्षण कार्यक्रम			
18.	फल मक्खी : निगरानी एवं प्रबंधन	5	28.08.2017 26.02.2018	01.09.2017 02.03.2018
कशेरूकी एवं शहरी पीड़क प्रबंधन / VERTEBRATE AND URBAN PEST MANAGEMENT				
19.	एकीकृत कशेरूकी पीड़क प्रबंधन	21	01.02.2018	20.02.2018
20.	कृंतक पीड़क प्रबंधन	5	05.06.2017 11.09.2017 05.02.2018	09.06.2017 15.09.2017 09.02.2018
21.	खाद्य अनाज भंडारण में कृंतक पीड़क प्रबंधन	5	20.11.2017	24.11.2017
वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन / PLANT HEALTH MANAGEMENT				
22.	पीड़क प्रबंधन हेतु पारिस्थितिकी अभियांत्रिकी के संयोजन के साथ एईएसए आधारित पीएचएम कार्यक्रम -चावल	21	01.11.2017	21.11.2017
	पीड़क प्रबंधन हेतु पारिस्थितिकी अभियांत्रिकी के संयोजन के साथ एईएसए आधारित पीएचएम कार्यक्रम -सब्जियों में	21	18.01.2018	07.02.2018
23.	वनस्पति स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन की मौलिकताएं	21	01.08.2017 13.02.2018	21.08.2017 05.03.2018
24.	जैवनियंत्रण एजेंटों के उत्पादन प्रोटोकॉल एवं माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों एवं जैवउर्वरकों का गुणवत्ता विश्लेषण एवं गुणवत्ता प्रबंधन	21	01.06.2017 08.03.2018	21.06.2017 28.03.2018
25.	जैवनियंत्रण एजेंटों एवं माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों का खेत स्तर पर उत्पादन	10	05.09.2017 04.10.2017 02.01.2018 08.03.2018	14.09.2017 13.10.2017 11.01.2018 17.03.2018
26.	जैवउर्वरक एवं जैवपीड़कनाशी हेतु उत्पादन प्रोटोकॉल	10	19.03.2018	28.03.2018
27.	पीएचएम हेतु जैवगहन पहलूओं पर कार्यक्रम डीओई द्वारा प्रायोजित	8	तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
28.	अच्छी कृषि पद्धतियां (डोओई द्वारा प्रायोजित)	8	तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
29.	एकीकृत मृदा पोषक-तत्व एवं खरतपतवार प्रबंधन (आईएसएनडब्ल्यूएम)	7	05.04.2017	11.04.2017
30.	एकीकृत मृदा पोषक-तत्व एवं जड़क्षेत्र प्रबंधन	8	14.12.2017 19.02.2018	21.12.2017 26.02.2018
31.	राईजोस्फिर इंजीनियरिंग	5	08.04.2017	12.04.2017
32.	कृषक खेत पाठशाला प्रणाली	5	28.08.2017 12.02.2018	01.09.2017 16.02.2018
33.	अच्छी कृषि पद्धतियां	5	24.04.2017 23.10.2017 05.03.2018	28.04.2017 27.10.2017 09.03.2018
34.	पादप परजीवी सूत्रकृमियों का फील्ड निदान एवं प्रबंधन	5	16.10.2017 22.01.2018	20.10.2017 26.01.2018
35.	एनआईपीएचएम बैनर प्रशिक्षण कार्यक्रम	5	22.05.2017	26.05.2107

36.	इंटोमोपैथोजेनिक सूत्रकृमि विषय पर परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम	3	23.08.2017	25.08.2017
37.	उन्नत खरपतवार प्रबंधन	3	18.09.2017	20.09.2017
38.	सतत् कृषि हेतु मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना	3	27.11.2017 26.02.2018	29.11.2017 28.02.2018
39.	सतत् कृषि हेतु मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना (किसानों के लिए कार्यक्रम)	3	05.03.2018	07.03.2018
40.	सतत् कृषि हेतु जैवनियंत्रण एजेंटों का खेत स्तर पर उत्पादन (कृषक) - गैर-सरकारी संगठनों के लिए	3	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
41.	बीएससी(कृषि) छात्रों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम	5-7	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
42.	क्रॉप्सेप प्रशिक्षण कार्यक्रम	5	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
43.	डीईएएसआई प्रशिक्षण कार्यक्रम (मैनेज के सहयोग से)	3	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
44.	नव नियुक्त कृषि एवं बागवानी कृषि अधिकारियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (मैनेज के सहयोग से)	8	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
45.	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	25	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी / PLANT HEALTH ENGINEERING				
46.	पीड़कनाशियों का सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग	8	20.06.2017	27.06.2017
47.	पीड़कनाशी अनुप्रयोग तकनीक एवं सुरक्षा संबंधी उपाय	5	03.07.2017 11.09.2017 09.10.2017 13.11.2017 15.01.2018 12.03.2018	07.07.2017 15.09.2017 13.10.2017 17.11.2017 19.01.2018 16.03.2018
48.	मृदा, जल एवं वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में जीआईएस पहुँच	5	11.12.2017	15.12.2017
49.	कटाई उपरान्त प्रबंधन एवं संग्रहण तकनीक	5	24.07.2017	28.07.2017
पीड़कनाशी प्रबंधन / PESTICIDE MANAGEMENT				
50.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण विश्लेषण (पीएफए)	60	10.07.2017 05.02.2018	07.09.2017 05.04.2018
51.	नये पीड़कनाशी अणु के सूत्रीकरण विश्लेषण हेतु पुनश्चर्या कार्यक्रम	10	12.06.2017 04.10.2017	21.06.2017 13.10.2017
52.	कांच के सामान और प्रयोगशाला उपकरण की जांच हेतु पीड़कनाशी सूत्रीकरण विश्लेषण (पीएफए)	8	20.04.2017	27.04.2017
53.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण के भौतिक-रासायनिक गुणों का परीक्षण	5	06.11.2017	10.11.2017

54.	कीटनाशक अधिनियम, 1968(आईएसपीपी) के तहत निरीक्षण, सैम्पलिंग और आचार प्रक्रिया	5	17.04.2017 26.06.2017 18.12.2017	21.04.2017 30.06.2017 22.12.2017
55.	आईएसओ/आईसी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन और आंतरिक लेखापरीक्षा	5	03.04.2017 28.08.2017 04.12.2017 26.03.2018	07.04.2017 01.09.2017 08.12.2017 30.03.2018
56.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण विश्लेषण एवं अनिश्चित मापन में विधि मान्यकरण	5	23.10.2017	27.10.2017
57.	पीटीएल एवं पीआरएल हेतु एनएबीएल प्रत्यायन के लिए प्रलेखन प्रक्रिया	4	02.05.2017	05.05.2017
58.	पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण (पीआरए)	30	17.04.2017	16.05.2017
59.	फल, सब्जियों और अन्य वस्तुओं का पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण के लिए चयन तथा पीआरए के लिए प्रशेगशाला के उपकरणों का अंशांकन	5	10.04.2017 29.01.2018	14.04.2017 02.02.2018
60.	पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण के विधि मान्यकरण एवं अनिश्चित का मापन	5	05.06.2017	09.06.2017
61.	माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों के गुणवत्ता विश्लेषण एवं गुणवत्ता प्रबंधन	10	12.06.2017 19.03.2018	21.06.2017 28.03.2018

III. पीपीकयू एवं एस निदेशालय के अधिकारियों के लिए विशेष कार्यक्रम / EXCLUSIVE PROGRAMMES FOR OFFICERS OF DIRECTORATE OF PPQ&S

क्र.सं.	कार्यक्रम के शीर्षक	अवधि (दिनों में)	से	तक
पादप जैवसुरक्षा / PLANT BIOSECURITY				
1.	डीपीपीक्यू एवं एस के नवनियुक्त कर्मियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	90	तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
2.	पादप जैवसुरक्षा पर पुनश्चर्या कार्यक्रम	5	तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन / PLANT HEALTH MANAGEMENT				
3.	वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में स्थानान्तरियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	35	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण का किया जाना है।	
4.	वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में पुनश्चर्या कार्यक्रम	6	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण का किया जाना है।	

IV. उद्योग, नागरिक संगठनों एवं छात्रों के लिए कार्यक्रम (भुगतान आधारित) / PROGRAMMES OPEN FOR INDUSTRY, CIVIL SOCIETY AND STUDENTS (PAYMENT BASIS)

क्र.सं.	कार्यक्रम के शीर्षक	अवधि (दिनों में)	से	तक
पादप जैव सुरक्षा/ PLANT BIOSECURITY				
1.	पीड़क जोखिम विश्लेषण	5	12.06.2017 06.11.2017	16.06.2017 10.11.2017
2.	संग्रहित अनाज पीड़क जांच एवं पहचान तथा	21	04.09.2017	25.09.2017

	पादपस्वच्छता उपचार		29.01.2018	19.02.2018
3.	पादपस्वच्छता उपचार(एमबीआर एवं एएलपी)	15	11.09.2017 05.02.2018	25.09.2017 19.02.2018
4.	फोर्सड् हॉट एयर उपचार (एफएचएटी)	5	15.05.2017 07.08.2017 19.03.2018	19.05.2017 11.08.2017 23.03.2018
5.	आयात एवं निर्यात हेतु पीक्यूपी प्रक्रिया	5	26.06.2017 09.10.2017	30.06.2017 13.10.2017
कशेरूकी एवं शहरी पीड़क प्रबंधन/ VERTEBRATE AND URBAN PEST MANAGEMENT				
6.	शहरी एकीकृत पीड़क प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	15	03.04.2017 31.07.2017 27.11.2017	17.04.2017 14.08.2017 11.12.2017
वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन / PLANT HEALTH MANAGEMENT				
7.	जैवनियंत्रण एजेंटों एवं माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों का खेत स्तर पर उत्पादन	10	05.09.2017 04.10.2017 02.01.2018	14.09.2017 13.10.2017 11.01.2018
8.	सतत् कृषि हेतु जैवनियंत्रण एजेंटों एवं माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों का खेत स्तर पर उत्पादन - आंध्र प्रदेश के तंबाकू उत्पादकों के लिए	3	10.04.2017 01.05.2017 22.05.2017 26.06.2017	12.04.2017 03.05.2017 24.05.2017 30.06.2017
9.	सतत् कृषि हेतु जैवनियंत्रण एजेंटों एवं माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों का खेत स्तर पर उत्पादन - कर्नाटक के तंबाकू उत्पादकों के लिए	3	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
10.	वरिष्ठ तंबाकू ग्रेडिंग अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	3	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
11.	जैवनियंत्रण एजेंटों एवं माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशियों का खेत स्तर पर उत्पादन - तंबाकू अधिकारियों के लिए	10	कार्यक्रम की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।	
12.	स्थापित कृषिउद्मियों के लिए 'खेत स्तर पर जैवनियंत्रण एजेंटों एवं माइक्रोबिअल जैव-पीड़कनाशियों का उत्पादन' हेतु पुनश्चर्या कार्यक्रम (मैनेज के सहयोग से)	4	15.05.2017 25.07.2017	18.05.2017 28.07.2017
वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी / PLANT HEALTH ENGINEERING				
13.	कृषि अभियांत्रिकी छात्रों के लिए कृषि अभियांत्रिकी में अद्यतन इंन-प्लांट प्रशिक्षण (भुगतान आधारित)	120	01.06.2017	30.09.2017
14.	कृषि अभियांत्रिकी छात्रों के लिए फार्म मशीनरी एवं कटाई उपरांत प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण (भुगतान आधारित)	30	आवश्यकतानुसार	
पीड़कनाशी प्रबंधन / PESTICIDE MANAGEMENT				
15.	नये पीड़कनाशी अणु सूत्रीकरण विश्लेषण पर पुनश्चर्या कार्यक्रम	10	12.06.2017 04.10.2017	21.06.2017 13.10.2017
16.	कांच के सामान एवं प्रयोगशाला के उपकरणों के अंशाकंन संबंधी पीड़कनाशी सूत्रीकरण (पीएफए)	8	20.04.2017	27.04.2017

	प्रयोगशालाएं			
17.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण के भौतिक-रासायनिक गुणों का परीक्षण	5	06.11.2017	10.11.2017
18.	आईएसओ/आईईसी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रणाली एवं आंतरिक लेखापरीक्षा	5	03.04.2017 28.08.2017 04.12.2017 26.03.2018	07.04.2017 01.09.2017 08.12.2017 30.03.2018
19.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण विश्लेषण में विधि मान्यकरण एवं अनिश्चिता मापन	5	23.10.2017	27.10.2017
20.	पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण (पीआरए)	30	17.04.2017	16.05.2017
21.	फल, सब्जियों एवं अन्य मदों के सैंप्लिंग हेतु पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण	2	10.04.2017 29.01.2018	11.04.2017 30.01.2018
22.	प्रयोगशाला के उपकरणों के अंशाकंन संबंधी पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण (पीआरए) प्रयोगशालाएं	3	12.04.2017 31.01.2018	14.04.2017 02.02.2018
23.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण विश्लेषण एवं अनिश्चिता मापन में विधि मान्यकरण	5	05.06.2017	09.06.2017
24.	माइक्रोबिअल जैवपीड़कनाशी का गुणवत्ता विश्लेषण एवं गुणवत्ता प्रबंधन	10	12.06.2017 19.03.2018	21.06.2017 28.03.2018

V. प्रगतिशील किसानों के लिए प्रशिक्षण / PROGRAMMES FOR PROGRESSIVE FARMERS

क्र.सं.	कार्यक्रम के शीर्षक	अवधि (दिनों में)	से	तक
वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन / PLANT HEALTH MANAGEMENT				
1.	सतत् कृषि को बढ़ावा देने हेतु जैवनियंत्रण एजेंटों का खेत स्तर पर उत्पादन	3	10.07.2017 20.09.2017 20.11.2017 06.12.2017 10.01.2018 14.03.2018	12.07.2017 22.09.2017 22.11.2017 08.12.2017 12.01.2018 16.03.2018
वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी / PLANT HEALTH ENGINEERING				
2.	पीड़कनाशी अनुप्रयोग तकनीक एवं सुरक्षा संबंधी उपाय	3	21.08.2017 18.09.2017 27.11.2017	23.08.2017 20.09.2017 29.11.2017

VI. परिसर से बाहर प्रशिक्षण कार्यक्रम/OFF CAMPUS TRAINING PROGRAMMES

क्र.सं.	कार्यक्रम के शीर्षक	अवधि (दिनों में)	से	तक
पादप जैवसुरक्षा / PLANT BIOSECURITY				
1.	निर्यात को बढ़ावा देने हेतु सतत् छोटे पौधों (नर्सरी) को उगाने संबंधी अभ्यास कार्यक्रम	2	तिथि का निर्धारण किया जाना है।	

कशेरूकी एवं शहरी पीड़क प्रबंधन / VERTEBRATE AND URBAN PEST MANAGEMENT			
2.	किसानों के लिए कृंतक पीड़क प्रबंधन	1	तिथि का निर्धारण किया जाना है।
3.	कृषि विस्तार अधिकारियों के लिए कशेरूकी पीड़क प्रबंधन	3	तिथि का निर्धारण किया जाना है।
वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन / Plant Health Management			
4.	कडियम नर्सरी ग्रोवरर्स् के लिए सूत्रकृमि जागरूकता कार्यशाला	3	कार्यशाला की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।
5.	वरंगल जिला के कृषि अधिकारियों एवं किसानों के लिए डीपीएमपी जागरूकता संबंधी कार्यक्रम	2	कार्यशाला की सं. एवं तिथि का निर्धारण किया जाना है।
पीड़कनाशी प्रबंधन / PESTICIDE MANAGEMENT			
6.	कीटनाशक अधिनियम, 1968 (आईएसपीपी) के तहत् निरीक्षण, सैप्लिंग एवं अभियोजन प्रक्रियाएं)	4	तिथि का निर्धारण किया जाना है।

VII. अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम / INTERNATIONAL TRAINING PROGRAMMES

क्र.सं.	कार्यक्रम के शीर्षक	अवधि (दिनों में)	से	तक
पादप जैवसुरक्षा / PLANT BIOSECURITY				
1.	पादप जैवसुरक्षा एवं आक्रमक प्रबंधन (बीआईएम)	21	05.06.2017	26.06.2017
2.	पीड़क जोखिम विश्लेषण	5	12.06.2017 06.11.2017	16.06.2017 10.11.2017
3.	संगरोध पीड़क : जांच एवं पहचान	21	04.04.2017	24.04.2017
4.	संग्रहित अनाज पीड़क जांच एवं पहचान तथा पादपस्वच्छता उपचार	21	04.09.2017 29.01.2018	25.09.2017 19.02.2018
5.	पादपस्वच्छता उपचार (एमबीआर एवं एएलपी)	15	11.09.2017 05.02.2018	25.09.2017 19.02.2018
6.	पीड़क निगरानी	5	24.04.2017 24.07.2017 20.11.2017	01.05.2017 28.07.2017 24.11.2017
7.	फोर्सड् हॉट एयर उपचार (एफएचएटी)	5	15.05.2017 07.08.2017 19.03.2018	19.05.2017 11.08.2017 23.03.2018
8.	क्षेत्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रणाली विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	15	04.12.2017	18.12.2017
वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन / Plant Health Management				
9.	पीड़क प्रबंधन हेतु पारिस्थितिकी अभियांत्रिकी के संयोजन के साथ एईएसए आधारित पीएचएम कार्यक्रम -चावल	21	01.11.2017	21.11.2017
	पीड़क प्रबंधन हेतु पारिस्थितिकी अभियांत्रिकी के संयोजन के साथ एईएसए आधारित पीएचएम कार्यक्रम -सब्जियों में	21	18.01.2018	07.02.2018
10.	वनस्पति स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए	21	01.08.2017	21.08.2017

	वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संबंधी मौलिकताएं		05.07.2017	25.07.2018
11.	अच्छी कृषि पद्धति संबंधित कार्यक्रम	5	24.04.2017 23.10.2017 19.03.2018	28.04.2017 27.10.2017 23.03.2018
12.	जैवनियंत्रण एजेंटों हेतु उत्पादन प्रोटोकॉल एवं माइक्रोबिअल एवं जैवऊर्वरकों के गुणवत्ता विश्लेषण एवं गुणवत्ता प्रबंधन	21	01.06.2017	21.06.2017
पीड़नाशी प्रबंधन / PESTICIDE MANAGEMENT				
13.	आईएसओ/आईसी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन और आंतरिक लेखापरीक्षा	5	03.04.2017 28.08.2017 04.12.2017 26.03.2018	07.04.2017 01.09.2017 08.12.2017 30.03.2018
14.	पीड़कनाशी सूत्रीकरण विश्लेषण एवं अनिश्चित मापन संबंधी में विधि मान्यकरण	5	23.10.2017	27.10.2017
15.	पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण(पीआरए)	30	17.04.2017	16.05.2017
16.	फल, सब्जियों और अन्य मदों के सैम्पलिंग के लिए पीड़कनाशी अवशेष विश्लेषण एवं पीआरए हेतु प्रयोगशाला उपकरणों का अंशांकन	5	10.04.2017 29.01.2018	14.04.2017 02.02.2018

सुविधाएं

आवास : वातानुकूलित कक्ष

पुस्तकालय : राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्यात जर्नलों एवं पुस्तकों का संग्रहण

श्रव्य-दृश्य उपकरण : आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित व्याख्यान कक्ष

आईसीटी : प्रतिभागियों के लिए इंटरनेट/वाईफाई सुविधा

चिकित्सा सेवा : एक वरिष्ठ चिकित्सा परामर्शदाता प्रतिदिन होस्टल के लिए उपलब्ध

खेलकूद एवं मनोरंजन: कर्मचारियों एवं प्रशिक्षार्थियों के लिए इंडोर गेम - शटल, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस आदि के अलावा नियमित योगा अभ्यास प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एनआईपीएचएम कैसे पहुंचे

संस्थान के वेवसाइट देंखे : http://niphm.gov.in

हैदराबाद का मौसम

हैदराबाद का मौसम वर्ष भर सामान्य एवं खुशनुमा बना रहता है। गर्मी के मौसम(मार्च-मई) के दौरान औसत तापमान 39 डिग्री सेंटीग्रेड तक होता है। वर्षा ऋतु (जून-सितंबर) के दौरान पर्याप्त वर्षा होती है। शीत ऋतु (अक्टूबर-फरवरी) के दौरान न्यूनतम तामपान 6 से 14 डिग्री सेण्टीग्रेड के बीच होता है।

संपर्क विवरण :

रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम),

राजेंद्रनगर, हैदराबाद-500 030

टेलिफोन नं. +91-40-24015378, 24015346, 24011633; टेलि-फैक्स नं.+91-40-24015346/24018788

ई-मेल : niphm@nic.in (or) infoniphm@nic.in (or) registrarniphm@nic.in

देंखे वेबसाइट : http://niphm.gov.in

घरेलू प्रतिभागियों का नामांकन रजिस्ट्रार/पाठ्यक्रम निदेशक को भेजा जा सकता है :

अधिक जानकारी के लिए देंखे वेबसाइट : http://niphm.gov.in

हैदराबाद, तेलंगाना राज्य की राजधानी होने के साथ एक ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपराओं का शहर है। हुसैन सागर झील के चारों तरफ हैदराबाद एवं सिकंदराबाद दो जुड़वां शहर है। इस शहर का 400 वर्ष पुराना इतिहास रहा है एवं संस्कृति से समृद्ध है। यह देश-विदेश के कई पर्यटकों को आकर्षित करता है।

मुख्या पर्यटक आकर्षण

गोलकोण्डा किला : गोलकोण्डा कुतुब शाही वंश के मध्यकालीन सल्तनत की राजधानी थी। यह शहर के पश्चिमी भाग में स्थित है। यह उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का उदाहरण एवं देखने लायक स्थल है।

बिरला मंदिर : हैदराबाद शहर के बीच में पहाड़ पर स्थित बिरला मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जो पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षक पर्यटन स्थल है।

चारमिनार : 1591 ई. में निर्मित चारमिनार एक ऐतिहासिक स्थल है, जो हैदराबाद में ग्लोबल आइकन के रूप में प्रसिद्ध है।

सलारजंग संग्रहालय : यह भारत में प्रसिद्ध संग्रहालयों में से एक है। यह शहर के केन्द्र में एवं मूसी नदी के दक्षिणी छोर पर स्थित है।

बुद्ध प्रतिमा, टैंक बंड एवं नेकलेस रोड सहित हुसैन सागर : हुसैन सागर का निर्माण सन् 1563 में इब्राहिम कुतुब शाह ने किया था, जो शहर के बीच में स्थित है। यह झील अपने नेकलेस रोड, टैंक बंड एवं बुद्ध प्रतिमा के लिए भी प्रसिद्ध है।

रामोजी फिल्म शहर : रामोजी फिल्म शहर विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत फिल्म नगरी है। यहॉ थीम पार्क एवं मनोरंजन क्षेत्र जैसे कई आकर्षण केन्द्र है।

शिल्पाराममम : शिल्पाराममम एक कला एवं शिल्प गॉव है। यहां पर अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच लोक एवं पारंपारिक त्यौहार भी देखने के लिए मिलते हैं।